



## ग्रीन फनि्स हब

### प्रलिस के ललल:

ग्रीन फनि्स हब, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP), प्रवाल भलतल, तटीय और समुद्री पर्यटन, सस्टेनेबल टूरल्लम, ब्लू इकॉनमी, सस्टेनेबल ब्लू इकॉनमी फाइनेंस इनशलएलवल, डीप ओशन मशलन, ओ-स्मार्ट, इंटीगरेटेड कोस्टल ज़ोन मैनेजमेंट ।

### मेन्स के ललल:

ग्रीन फनि्स हब और इसका महत्त्व, सतत् तटीय और समुद्री पर्यटन, चुनौतललें एवं पहल को बढ़ावा देना ।

## चर्चा में क्यलें?

हलल ही में [संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम \(UNEP\)](#) ने यूके स्थलतल चैरटी रीफ-वरल्ड फाउंडेशन के साथ मललकर ग्रीन फनि्स हब लॉन्च कलल ।

- ग्रीन फनि्स हब दुनललल भर में डाइवलगल और स्नॉर्कललगल ऑपरेटरलें के ललल वैश्वकल डजलटल प्लेटफॉर्म है ।

## ग्रीन फनि्स

### परचलल:

- ग्रीन फनि्स द रीफ-वरल्ड फाउंडेशन और UNEP द्वारा अंतरराष्टरीय स्तर पर कार्यान्वतल संरक्षण प्रबंधन दृष्टकलण है जो समुद्री पर्यटन से जुड़े नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावलें में औसत दरजे की कमी को प्रदर्शलतल करता है ।
- मूल रूप से वर्ष 2004 में थाईलैंड में स्थापतलग्रीन फनि्स दृष्टकलण डाइवलगल और स्नॉर्कललगल पर्यटन उदयलग में सर्वोत्तम प्रथालें को अपनाने तथल कार्यान्वयन का समर्थन करने के ललल एक उपकरण है ।

### लक्ष्य:

- इसका उद्देश्य स्थायी डाइवलगल और स्नॉर्कललगल को बढ़ावा देने वलले पर्यावरण के अनुकूल दशल-नरलदेशलें के माध्यम से प्रवाल भलतलतललें की रक्षण करना है ।
- यह समुद्री पर्यटन के ललल एकमात्र अंतरराष्टरीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पर्यावरण मानक प्रदान करता है और इसकी मज़बूत मूल्यांकन प्रणाली अनुपालन को मापती है ।

## ग्रीन फनि्स हब

### परचलल:

- ग्रीन फनि्स हब अब तक का पहला वैश्वकल समुद्री पर्यटन उदयलग मंच है ।
- यह स्थायी समुद्री पर्यटन को 'बढ़ावा' देगा ।
- इसके 14 देशलें के लगभग 700 ऑपरेटरलें से दुनललल भर में संभावतल 30,000 ऑपरेटरलें तक पहुँचने की उम्मीद है ।

### महत्त्व:

- इसका उद्देश्य ग्रीन फनि्स सदस्यता के माध्यम से समुद्री पर्यटन क्षेत्र में स्थरलता की दशल में भूकंपीय बदलाव को उत्प्रेरतल करना है ।
- प्रवाल भलतलतललें कम-से-कम 25% समुद्री जीवन का घर हैं, समुद्री-संबंधतल पर्यटन के ललल मक्का है, कुछ द्वीप राष्ट्रलें में सकल घरेलू उत्पाद में 40% या उससे अधिक का योगदान करते हैं । हललॉकलवे सबसे कमज़ोर पारस्थलतलकल तंत्र हैं, वशलष रूप से जलवायु परवलरतन के ललल 1.5 या 20°C के वैश्वकल तापमान वृद्धल के बीच प्रवाल भलतल असतलतलव में है ।
  - ग्रीन फनि्स हब के माध्यम से सर्वोत्तम अभ्यास, ज्ञान और नागरकल वज्ज्ञान की बढ़ती पहुँच प्रवाल भलतलतललें तथल अन्य नाजूक समुद्री पारस्थलतलकल प्रणाललें के भवष्य को सुनशलचतल करने में एक गेम चेंजर हो सकती है ।

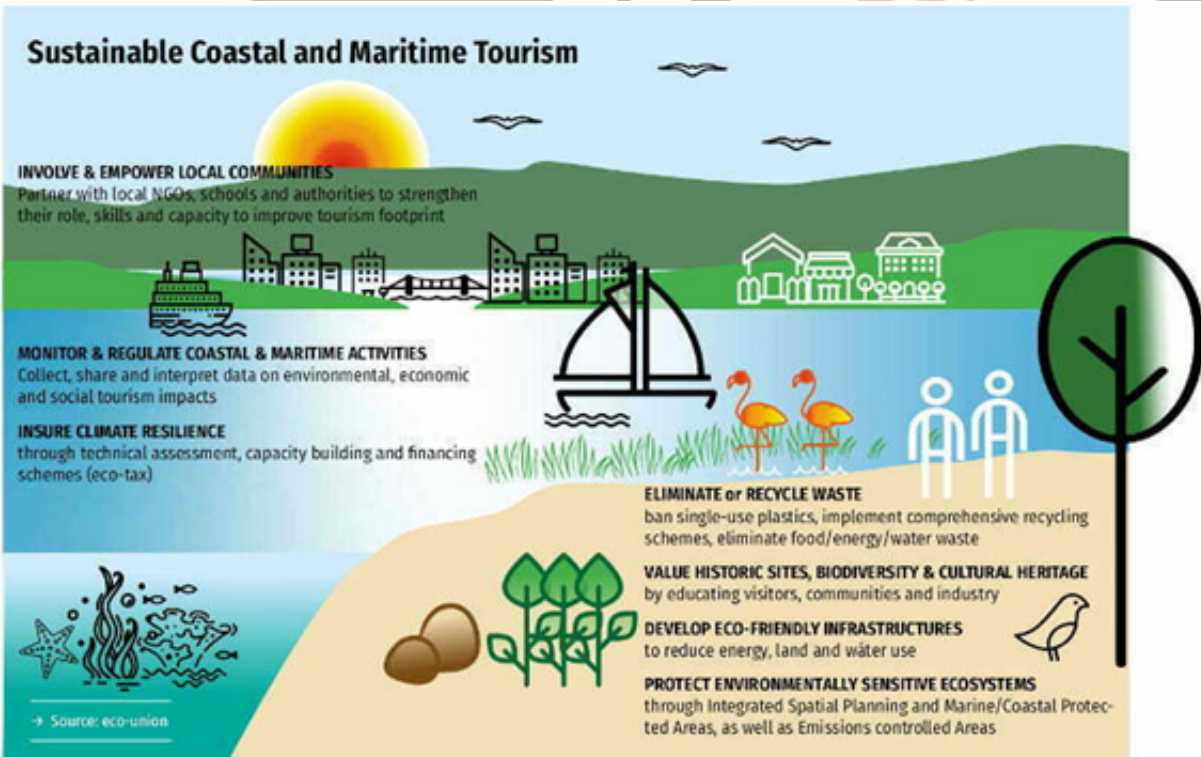
- प्लेटफॉर्म दुनिया भर में डाइविंग और स्नॉर्कलिंग ऑपरेटर्स द्वारा परीक्षण किये गए समाधानों का उपयोग करके अपनी दैनिक प्रथाओं में सरल, लागत प्रभावी परिवर्तन करने में मदद करेगा।
  - यह उन्हें अपने वार्षिक सुधारों पर नज़र रखने और अपने समुदायों तथा ग्राहकों के साथ संवाद करने में भी मदद करेगा।

## सतत तटीय और समुद्री पर्यटन:

- **सतत पर्यटन** का तात्पर्य पर्यटन उद्योग की सतत कार्यप्रणाली से है। यह मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों पर हरति पर्यटन क्षेत्र के मुद्दों को संबोधित करता है।
  - संयुक्त राज्य के अनुसार, सतत पर्यटन में नमिनलखिति को शामिल किया जाना चाहिये:
    - पर्यावरणीय संसाधनों का इष्टतम उपयोग करें जो पर्यटन विकास में एक प्रमुख तत्त्व का गठन करते हैं, आवश्यक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को बनाए रखते हैं और प्राकृतिक वरिसत एवं जैवविधिता के संरक्षण में मदद करते हैं।
    - मेज़बान समुदायों की सामाजिक-सांस्कृतिक प्रामाणिकता का सम्मान करें, उनकी नर्मिति और जीवित सांस्कृतिक वरिसत तथा पारंपरिक मूल्यों का संरक्षण करें एवं अंतर-सांस्कृतिक समझ व सहिष्णुता में योगदान करें।
    - व्यवहार्य, दीर्घकालिक आर्थिक संचालन सुनिश्चित करना, सभी हतिधारकों को सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करना जो उचित रूप से वितरित हो, जिसमें स्थिर रोज़गार और आय-अर्जन के अवसर तथा समुदायों की मेज़बानी के लिये सामाजिक सेवाएँ व गरीबी उन्मूलन में योगदान करना शामिल है।
- तटीय और समुद्री पर्यटन (सीएमटी) कुल वैश्विक पर्यटन का कम-से-कम 50% हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। यह अधिकांश छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) और कई तटीय राज्यों के लिये सबसे बड़ा आर्थिक क्षेत्र है।
  - 5 फ़ीसदी की अनुमानित वैश्विक विकास दर से तटीय और समुद्री पर्यटन के वर्ष 2036 तक 26 फ़ीसदी के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा मूल्यवर्द्धति खंड बनने की उम्मीद है।

## तटीय और समुद्री पर्यटन से जुड़ी चुनौतियाँ:

- प्राकृतिक संपत्तियों का नरितर ह्रास और अपकरण इस पर भरोसा करने वाले स्थानीय समुदायों के साथ-साथ उद्योग की स्थिरता एवं व्यवहार्यता को जोखिम में डाल रहा है।
- कोविड -19 महामारी ने पर्यटन उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया। वर्लड ट्रेवल एंड टूरज़िम काउंसिल ने लगभग 75 मिलियन नौकरियों के नुकसान तथा वैश्विक स्तर पर \$ 2 ट्रिलियन से अधिक की पर्यटन-प्रेरित जीडीपी में कमी का अनुमान लगाया है।
- तापमान में वृद्धि, अधिक लगातार पर्यावरणीय घटनाओं, जल की कमी और समुद्र के स्तर में वृद्धि (SLR) के माध्यम से जलवायु परिवर्तन उच्च मानवजनित भेद्यता वाले तटीय क्षेत्रों को दृढ़ता से प्रभावित करेगा।



## तटीय और समुद्री पर्यटन की दशा में अन्य पहल

- वैश्विक पहल:

- ग्लोबल सस्टेनेबल टूरिज्म काउंसिल (GSTC) और वर्ल्ड वाइल्ड फंड (WWF) प्रकृत-सकारात्मक पर्यटन बनाने के लिये होटल, क्रूज़ जहाज़ों, टूर ऑपरेटरों और उद्योग के साथ साझेदारी कर रहे हैं जहाँ सभी आपूर्ति शृंखला अभिकर्ताओं, प्रकृति और व्यवसायों के लिये मूल्य बनाने के लिये एकजुट होते हैं।
- सस्टेनेबल ब्लू इकोनॉमी फाइनैस इनशिएटिवि संयुक्त राष्ट्र द्वारा वनियमिती वैश्विक समुदाय है, जो कसिस्टेनेबल ब्लू इकोनॉमी फाइनैस प्रसिपिलस के कार्यान्वयन का समर्थन करते हुए, नज्जी वतित और महासागर स्वास्थय के बीच प्रतच्छेदन पर केंदरति सहयोग करता है।
  - सस्टेनेबल ब्लू इकोनॉमी फाइनैस प्रसिपिलस महासागर अस्थव्यवस्था में नविश करने के लिये मूलभूत आधारशाला हैं। इसे वर्ष 2018 में लॉन्च कयिा गया जो बैंकों, बीमाकर्त्ताओं और नविशकों से मलिकर सतत ब्लू इकोनॉमी को वतितपोषति करने हेतु दुनयिा का पहला वैश्विक मार्गदर्शक ढाँचा है। वे **SDG 14 (जल के नीचे जीवन) के कार्यान्वयन** को बढ़ावा देते हैं, और महासागर-वशिषिट मानकों को नरिधरति करते हैं।
- ओशन रकिवरी एलायंस एलेन मैकआरथर फाउंडेशन के सहयोग से UNEP और वशि्व पर्यटन संगठन के नेतृत्व में **ग्लोबल टूरिज्म प्लास्टिक इनशिएटिवि का हस्ताक्षरकर्त्ता बन गया है।**
  - ग्लोबल टूरिज्म प्लास्टिक इनशिएटिवि का उद्देश्य पर्यटन कार्यों में प्लास्टिक की चक्रीय अस्थव्यवस्था की ओर एक बदलाव को बढ़ावा देकर प्लास्टिक प्रदूषण से नपिटना है, जहाँ प्लास्टिक कभी भी बेकार नहीं जाता है, बल्कि सभी पर्यटन गतविधियों से प्लास्टिक को पूरी तरह से खतम करना है।

■ भारतीय पहलें:

- [डीप ओशन मशिन्](#)
- [ब्लू इकोनॉमी पर भारत-नॉरवे टास्क फोरस](#)
- [ओ-समार्ट](#)
- [एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन](#)

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

### नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. वशि्व की अधकिंश प्रवाल भतितयिँ उषणकटबिधीय जल में मौजूद हैं।
2. वशि्व की एक-तहिाई से अधकि प्रवाल भतितयिँ ऑस्ट्रेलयिा, इंडोनेशयिा और फलिपीस के क्षेत्रों में स्थति हैं।
3. प्रवाल भतितयिँ उषणकटबिधीय वर्षावनों की तुलना में कही अधकि संख्या में जंतुओं की मेज़बानी करती हैं।

### उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

### उत्तर: D

### व्याख्या:

- प्रवाल भतितयिँ बड़ी पानी के भीतर की संरचनाएँ हैं जो कोरल के कंकालों से बनी होती हैं, जो समुद्री अकशेरुकी जानवर हैं। प्रवाल भतितयिँ या मूँगे की चट्टानें (Coral reefs) समुद्र के भीतर स्थति प्रवाल जीवों द्वारा छोड़े गए कैल्शियम कार्बोनेट से बनी होती हैं। कैल्शियम कार्बोनेट से नरिमति एक कठोर, टकिाऊ एक्सोस्केलेटन होता और जो मूँगों के नरम, शरीर की रक्षा करता है। अन्य स्थतियिँ के अलावा, प्रवाल भतितयिँ को समुद्र के तापमान (20 से 28 डिगिरी सेल्सियस) की आवश्यकता होती है। इसलए अधकिंश प्रवाल भतितयिँ उषणकटबिधीय जल में पाई जाती हैं। **अतः कथन 1 सही है**
- रीफ-बलिडगि कोरल पूरे उषणकटबिधीय और उपोषणकटबिधीय पश्चिमी अटलांटिक एवं हदि-प्रशांत महासागरों में आमतौर पर 30° N और 30° S अक्षांशों के भीतर बखिरे हुए हैं। वशि्व की तीन-चौथाई से अधकि रीफ-बलिडगि कोरल प्रजातयिँ "कोरल ट्राएंगल" के पानी के भीतर पाई जाती हैं, जो उत्तरी ऑस्ट्रेलयिा, इंडोनेशयिा, फलिपीस व पापुआ न्यू गिनी की चट्टानों को कवर करने वाला क्षेत्र पश्चिम में इंडोनेशयिा से पूर्व में सोलोमन द्वीप समूह और उत्तर में फलिपीस तक फैली हुई है। **अतः कथन 2 सही है।**
- प्रवाल भतितयिँ में उषणकटबिधीय वर्षावनों में पाए जाने वाले लोगों की तुलना में बहुत अधकि एनमिल फाइला होता है। उषणकटबिधीय वर्षावनों में 9 की तुलना में 34 मान्यता प्राप्त एनमिल फाइला में से 32 प्रवाल भतितयिँ पर पाए जाते हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

अतः वकिल्प D सही है।

### [स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

